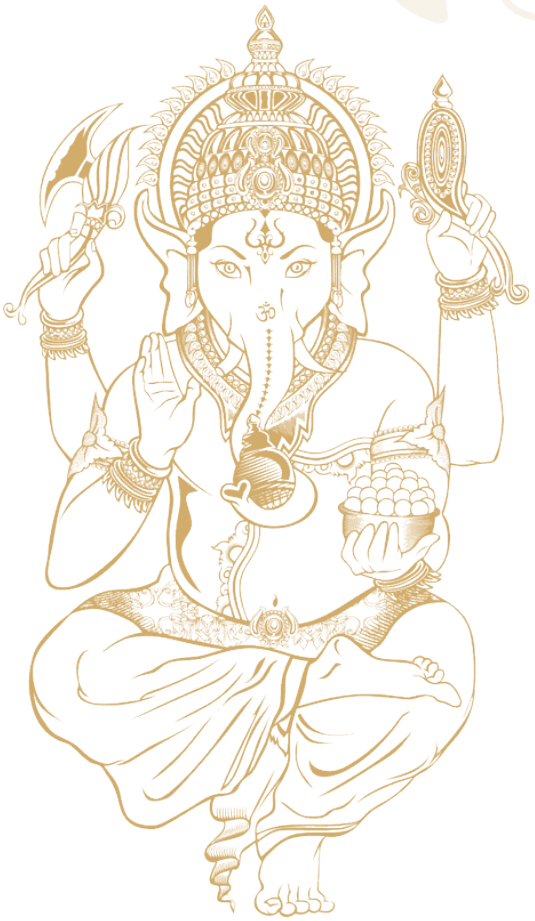

Rihan

08 Apr 2020

12:29 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121892103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/04/2020**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:29:00 घंटे**
इष्ट	16:15:42 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:11:12 घंटे
वेलान्तर	-00:01:46 घंटे
साम्पातिक काल	01:19:12 घंटे
सूर्योदय	05:58:43 घंटे
सूर्यास्त	18:40:57 घंटे
दिनमान	12:42:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	24:46:20 मीन
लग्न के अंश	05:52:10 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:52:10	304:37:12	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			मीन	24:46:20	00:58:57	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	27:24:11	15:19:02	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मक	11:45:05	00:41:42	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	उच्च राशि
बुध			मीन	01:22:25	01:30:18	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	नीच राशि
गुरु			मक	01:06:12	00:06:23	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	नीच राशि
शुक्र			वृष	09:52:29	00:51:00	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
शनि			मक	06:57:17	00:03:07	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		मिथु	07:53:43	00:09:45	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	07:53:43	00:09:45	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मेष	11:25:40	00:03:20	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप			कुंभ	25:23:17	00:02:03	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			मक	00:46:55	00:00:31	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			मीन	27:17:10	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:07

लग्न-चलित

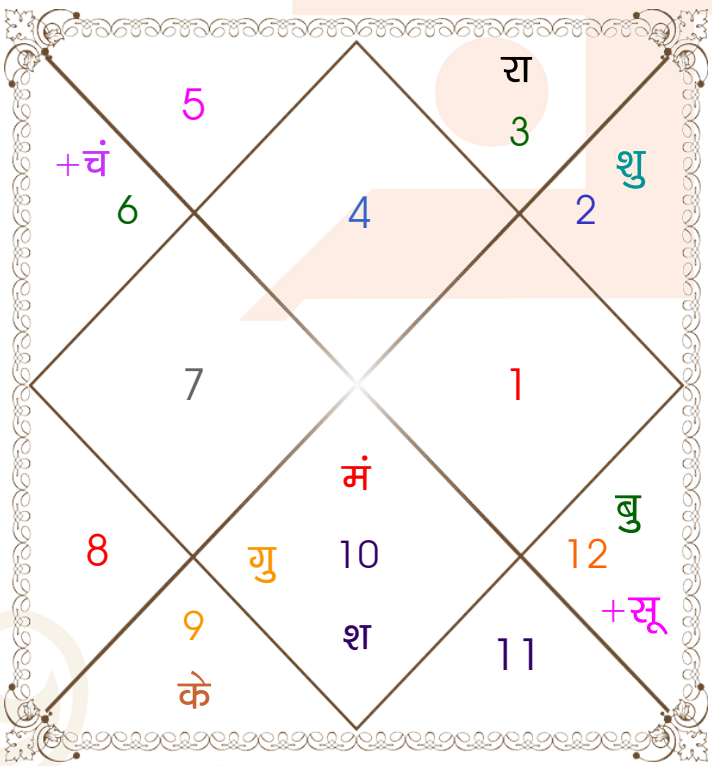

चन्द्र कुंडली

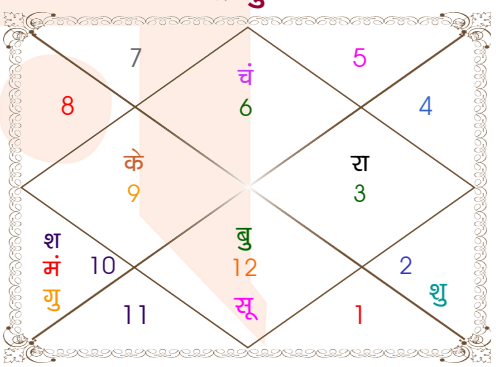

नवमांश कुंडली

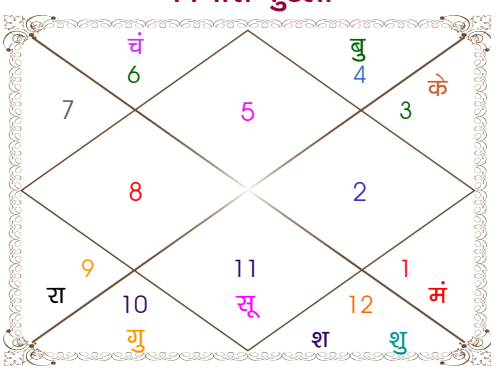

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 10 मास 11 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
08/04/2020		17/02/2025		18/02/2043		18/02/2059		18/02/2078	
17/02/2025		18/02/2043		18/02/2059		18/02/2078		18/02/2095	
	00/00/0000	राहु	01/11/2027	गुरु	07/04/2045	शनि	21/02/2062	बुध	16/07/2080
	08/04/2020	गुरु	26/03/2030	शनि	19/10/2047	बुध	31/10/2064	केतु	13/07/2081
गुरु	10/07/2020	शनि	30/01/2033	बुध	24/01/2050	केतु	10/12/2065	शुक्र	13/05/2084
शनि	19/08/2021	बुध	20/08/2035	केतु	31/12/2050	शुक्र	08/02/2069	सूर्य	20/03/2085
बुध	16/08/2022	केतु	06/09/2036	शुक्र	31/08/2053	सूर्य	21/01/2070	चंद्र	19/08/2086
केतु	12/01/2023	शुक्र	07/09/2039	सूर्य	19/06/2054	चंद्र	23/08/2071	मंगल	16/08/2087
शुक्र	13/03/2024	सूर्य	01/08/2040	चंद्र	19/10/2055	मंगल	30/09/2072	राहु	05/03/2090
सूर्य	19/07/2024	चंद्र	30/01/2042	मंगल	24/09/2056	राहु	07/08/2075	गुरु	10/06/2092
चंद्र	17/02/2025	मंगल	18/02/2043	राहु	18/02/2059	गुरु	18/02/2078	शनि	18/02/2095

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/02/2095		19/02/2102		19/02/2122		19/02/2128		19/02/2138	
19/02/2102		19/02/2122		19/02/2128		19/02/2138		00/00/0000	
केतु	17/07/2095	शुक्र	20/06/2105	सूर्य	08/06/2122	चंद्र	20/12/2128	मंगल	18/07/2138
शुक्र	15/09/2096	सूर्य	20/06/2106	चंद्र	08/12/2122	मंगल	21/07/2129	राहु	05/08/2139
सूर्य	21/01/2097	चंद्र	19/02/2108	मंगल	15/04/2123	राहु	19/01/2131	गुरु	09/04/2140
चंद्र	22/08/2097	मंगल	20/04/2109	राहु	08/03/2124	गुरु	20/05/2132		00/00/0000
मंगल	18/01/2098	राहु	20/04/2112	गुरु	26/12/2124	शनि	20/12/2133		00/00/0000
राहु	06/02/2099	गुरु	20/12/2114	शनि	08/12/2125	बुध	21/05/2135		00/00/0000
गुरु	13/01/2100	शनि	19/02/2118	बुध	14/10/2126	केतु	20/12/2135		00/00/0000
शनि	21/02/2101	बुध	20/12/2120	केतु	19/02/2127	शुक्र	20/08/2137		00/00/0000
बुध	19/02/2102	केतु	19/02/2122	शुक्र	19/02/2128	सूर्य	19/02/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 10 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।